Test the spirits

आत्माओं को परखों

आत्माओं को परखों

हम लूथरन अंगीकार कलीसिया के लोक उन व्यक्तियों को हमारे कलीसिया में नही लेते हैं जो परमेश्वर से दर्शन और सप्न पाने का दाबा करते हैं। हम अन्य भाषाओं का भी विश्वास नही करते है। हम यह विश्वास करते है कि हमारे पास ऐसे कोई सामर्थ नहीं है कि हम बीमारीयों का ऊपर हाथ रखकर उन को चेंगा कर सकें। हम स्वीकार करते हैं। हम सारे महिमा परमेश्वर को ही देते है उन सब कामों के लिए जो वह हमारे माध्यम से अपनी सच्चाई का और पवित्र वचन के द्वारा करता है। यह परमेश्वर का सामर्थी वचन है जो बड़े बड़े काम करता है। परमेश्वर अपने प्रेरितों और सेवकों माध्यम बनाता है उन बड़े बड़े कामों को करने के लिए। परमेश्वर चमत्कार करने कि सामर्थ रखता है। वह, हमारे प्रभु यीशु मसीह का सुसमाचार का शक्ति से सब को बचाता है। चाहे यह एक छोटा बच्चा की सुसमाचार के अनुसार वप्तिस्मा के द्वारा हो या एक बड़ा व्यक्ति सुसमाचार की सामर्थ अनुसार मन किसब के द्वारा है। यह परमेश्वर का वचन है जो एक मनुष्य का विश्वास को दृढ़ करता है; और परमेश्वर का वचन का सामर्थ ही उसे पवित्र संस्कारों के लिए, वप्तिस्मा के लिए, तथा प्रभु भोज के लिए तयार करता है। यहसब कामों में हम महत्व परमेश्वर का सामर्थ का ऊपर ही देते है। यह सारे काम बाईबल का सामर्थ वचन से ही सम्भव होता है। हमारे प्रभु यीशु हमें सिखाया कि यदि हम उसका वचन में बने रहेंगे तो उसका चेले कहलाएंगे। तब हम परमेश्वर क वचन जो सत्य है जानेंगे और सत्य हमें स्वतंत्र करेगा। यूहन्ना 8 : 31-32 परमेश्वर का वचन का चमत्कार करनेवाला सामर्थ्य के बारे में हम इब्रानियों 4 : 12 में पढते है **"क्योंकि परमेश्वर का वचन जीवित, प्रबल और किसी भी दोधारी तलवार से तेज़ है। वह प्राण और आत्मा, जोड़ों और गूढे, दोनों को आरपार बेधता और मन के विचारों तथा भावनाओं को परखता है।"** इब्रानियों 4 : 12 प्रेरित पौलस सुसमाचार को हमारे उद्धार केलिए परमेश्वर

का सामर्थ के रूप में रोमियो 1 : 16 में बताते है। यह परमेश्वर का वचन का सामर्थ्य है जिसके बारे में हम इस पत्री में भी पढ़ते है। जब आप परमेश्वर का वचन का अध्ययन करते है तो पवित्र आत्मा जो परमेश्वर का वचन माध्यम से काम करता है, परमेश्वर का वचन की सामर्थ आपका विश्वास को भी दृढ़ करें।

आत्माओं को परखें :

प्रेरित यूहन्ना हम से आग्रह करता है कि हम हर आत्माओं का विश्वास न करे परन्तु हम उनका परखे कि वे परमेश्वर की ओर से है या नहीं। 1 यूहन्ना 4 : 1 हम कैसे आत्माओं का परख कर सकते है? परमेश्वर के वचन की प्रकाश के द्वारा ही हम परख सकते हैं। परमेश्वर का वचन का प्रकाशन हमें परख ने का सामर्थ देता है जिस से हम समझ पाते कि अन्य भाषाएँ, भविष्यद्वाणियां, चंगाई, दर्शन और सपनों परमेश्वर क़ी ओर से है या नहीं। परमेश्वर का वचन के द्वारा ही यह पहचान कर सकते है कि कौन सा सही है और कौन सा गलत। प्रेम की प्रेरित यूहन्ना हमसे यह कहता है कि हम झूठे नवीओ से सावधान रहे और झूठा मसीह की चाल में न फसे। यूहन्ना 2 : 18-27 यहन्ना 4 : 1-61.

यह प्रेम का एक काम है कि हम इस पत्रिका का मुद्रण करे और वितरण करे कि पढ़नेवाले उस झूठा आत्मा जो भ्रमानेवाली है उस से बचकर सच्चाई का आत्मा को पहचाने।

आत्मिक बरदाने :

कुछ लोग यह कहते हैं कि पवित्र आत्मा का वरदान से प्रारम्भिक कसीलियों में जो जो चमत्कार होते थे वे आजकल की कलीसिया में भी हो सकता है। सब से पहले हम पहचान करे कि पवित्र आत्मा का वरदानों में से कौन कौन सा बड़ा है। किसी का भी तालिका में यह नही है सब से बड़ा वरदान यह है जिसमें कहा गया है – "पवित्र आत्मा को ग्रहण करो! आप जिसका पाप को क्षमा

(2) छोटे वरदाने। आज भी हम अपनी उद्धार के लिए और मसीह जीवन की बढ़ती के लिए बड़े वरदानों का सहारा लेना चाहिए। **छोटे वरदानों के द्वारा चमत्कार का मुख्य उद्देश्य।**

बाईबल में इस के बारे में एक मुख्य वचन है वह है मरकुस 16:20 **"और उन्होंने जाकर सब जगह प्रचार किया, और प्रभु उनके साथ काम करता रहा, और वचन को उन चिन्हों के द्वाराजो साथ साथ होते ते, दृढ़ करता रहा।"** प्रेरितो के द्वारा किया गया चमत्कारों और चिन्हों वचन को दृढ़ किया। देखने वाले कहने लगे यह परमेश्वर का सामर्थी वचन का काम है जिसका प्रचार इन परमेश्वर के सेवकों ने किया। वे वचन से दूर नही गए परन्तु परमेश्वर का वचन का सामर्थ्य को उन्होंने स्वीकार किया। बाईबल का आखिर पुस्तक प्रकाशित वाक्य में परमेश्वर का सारे प्रकाशन मौजूद है। परमेश्वर का समस्त प्रकाशन इस पुस्तक में दिया गया है। इस लिए दर्शन, सप्न और अन्य भाषाओं द्वारा तथा भविष्यवाणी के कोई प्रकाशन का आवश्यक नही है। बाईबल सतर्क करती है कि परमेश्वर के प्रकाशन में कुछ जोड़ना नही चाहिए। प्रकाशित वाक्य 22:18 **"मैं प्रत्येक को जो इस पुस्तक की नबूवत के वचनों को सुनता है गवाही देता हूँ; यदि कोई इनमें कुछ बढ़ाएगा तो परमेश्वर इस पुस्तक में लिखी विपत्तियों को उस पर बढ़ाएगा।"** हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा किया गया चमत्कारों जैसे चंगाई और दुष्ट आत्माओं को निकालना इत्यादि के बारे में हम क्या कहे। इन चमत्कारों के द्वारा इस से पीडित लोक को छुटकारा और मदत मिली और परमेश्वर का प्रेम और सामर्थ का प्रकट हुआ। यह चिन्ह और चमत्कारों वह परमेश्वर का पुत्र का प्रमाण दिया। क्या कोई मनुष्य यीशु मसीह के समान चमत्कार कर सकता है? प्रेरित यूहन्ना यीशु के बारे में लिखता है "और वचन, जो अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण था, देहधारी हुआ, और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी जैसी पिता के एकलौते की महिमा।" यूहन्ना 1:14. प्रभु यीशु मसीह के द्वारा किया गया चिन्हों और चमत्कार परमेश्वर का वचन दैहधारी हुआ इस वचन का

करोगे उसको क्षमा दिया जाएगा फिर आप जिसका पाप रख छोडोगे वह उसके लिए रख छोड़ा जाएगा। यूहन्ना 20 : 22-23 सबसे पहले प्रेरितों ने हमारे प्रभु से अपने अपने पापों से क्षमा पाए कि उनको यह अधिकार दिया गया। सबसे बड़ा वरदान तो पाप क्षमा कि वरदान है। उसके पीछे अन्य वरदाने है जैसे पवित्र परमेश्वर देता है। कुरिन्थियों की कलीसियों में आत्मा की वरदानों को पहचान में कठिन था क्योंकि वे वचन का पालन करने में कमजोर थे। पौलुस लिखता है "बड़ा वरदानों के लिए हमेशा चाहत रखो। 1 कुरिन्थियों 12 : 31 बड़े से बड़े वरदानों का तालिका इस अध्याय का 23 वाँ वचन में पौलुस के द्वारा सजाया गया है। वह उन वरदानों को पहला, आत्मीक वरदानों में थे वे वह है जो एकमसीह को एक प्रेरित एक नवी और शिक्षक के रूप में खढ़ा करने की सामर्थ्य होते हैं। यह तीन वरदाने सब के सब वचन के द्वारा आधारित है। वचन ही सब वरदानों का भन्डार है और आधार भी है। कारण वचन के द्वारा विश्वास रूपी ज्योंहि उभार होकर इस पापमय दुनियाँ में चमकता है। परमेश्वर का वचन की अध्ययन के द्वारा आत्मिक वरदानों विश्वास, भरोसा और प्रेम का प्रकट होता है। पौलुस अपनी पत्री 1 कुरिन्थियों का 13 अध्याय में प्रेम के बारे में बताता है, इस अध्याय में वह बताता है कि अन्य भाषा की वरदान का समाप्त है जाएगा। उसके वाद वह 1 कुरिन्थियों की पत्री 14 अध्यायों अन्य भाषाओं के बारे में स्पष्ट रूप से बताता है। कारण अन्य भाषाओं के बारे में स्पष्ट रूप से बताता है। कारण अन्य भाषाओं के बारे में कुरिन्थियों के कलीसियों में विवाद और भ्रम था। आज भी जैसे कुछ कलीसियों के मध्य है। अन्य भाषाओं के बारे में जो भ्रम में है वे सब 1 कुरिन्थियों की पत्री का 14 अध्याय का अध्ययन अछी तरीका से करना चाहिए। उँहों पौलुस अन्य भाषा कि वरदान को छोटे वरदान की रूप में वर्णन करता है। "फिर भी कलीसिया में अन्य भाषा में दस हज़ार शब्दों की अपेक्षा अपनी बुद्धि से पांच शब्द ही बोलना उत्तम समझता हूँ कि दूसरों को भी शिक्षा दे सकूँ।" 1 कुन्थियों 14 : 19. प्रेरितो के युग में वरदानों दो प्रकार के हैं, वे है (1) बड़े वरदाने और

प्रमाण है सर्वशक्तिमान परमेश्वर अपनी सामर्थ वचन के द्वारा मानव जाति को बचना चाहता है। यीशु मनुष्य का रूप धारण किया और स्वर्गपथ का संदेश प्रचार किया चिन्ह और चमत्कारों के साथ तो उस चिन्ह और चमत्कार परमेश्वर का सामर्थ्य का प्रकट किया और मनुष्य परमेश्वर की ओर निहारने का संकेत दिया। जब प्रेरितों को चिन्ह और चमत्कार का अधिकार दिया गया तो वे भी यह कहे कि "यह परमेश्वर का वचन का सामर्थ और प्रकाशन है।" इब्रूनियों की पत्री का लिखनेवाला लिखता है "इस कारण, हमें चाहिए कि जो कुछ हमने सुना है, उस पर और अधिक गहराई से ध्यान दें, ऐसा न हो कि हम उससे भटक जाएँ। तो हम ऐसे महान् उद्धार की उपेक्षा कर के कैसे बच सकेंगे? इसका वर्णन सर्वप्रथम प्रभु द्वारा किया गया और इसकी पुष्टि सुनने वालों ने हमारे लिए की। परमेश्वर ने भी चिह्नों, चमत्कारों और विभिन्न प्रकार के आश्चर्यकर्मों तथा अपनी इच्छा के अनुसार पवित्र आत्मा के वरदानों के द्वारा इसकी साक्षी दी।" इब्रूनियों 2:1, 3-4, परमेश्वर चमत्कारों का यह गवाही देता है कि यह उसका वचन का सामर्थ्य कि कार्य है।

बाईबल की व्यवस्था का अब अन्त हुआ है। परमेश्वर का समस्त प्रकाशन और भेद की बाते उनका वचन के द्वारा हमें दिया गया है। हम बाईबल का पढना चाहिए, अध्ययन करना चाहिए, सीखना चाहिए, उसका आदर और विश्वास करना चाहिए तथा पालन करना चाहिए। कारण बाईबल में ही हमारे अनन्त उद्धार और सारे आशिषों का दर्शाया गया है। वह सब कुछ हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें उपलब्ध है।

कल्पित और झूठा चिन्ह और चमत्कार :

झूठा चिन्ह और चमत्कार शैतान का चाल है। लोगों को भ्रमाने के लिए जिन मनुष्यों को शैतान इस्तेमाल करता है वे अपनी नाम और यश कमाने के लिए करते हैं। पतरस के पाश आकर जादूटना करनेवाले शिमन अपनी चाल से सोचता है कि

वह यह वरदान चाल से पतरस से प्राप्त करे और अपनी आप को बड़ा और महान बनाए। "परन्तु हमने लज्जा के गुप्त कार्यों को त्याग दिया है और धूर्तता से नही चलते, न परमेश्वर के वचन में मिलावट करते हैं। परन्तु सत्य को प्रकट करने के द्वारा हम, परमेश्वर के सम्मुख प्रत्येक मनुष्य के विवेक में अपने आप को भला ठहराते है। हम तो अपना नहीं पन्तु मसीह यीशु का प्रचार करते हैं कि वह प्रभु है, और अपने विषय में यह कहते हैं कि हम यीशु के कारण तुम्हारे दास हैं" 2 कुरिन्थियों 4:2, 5. पौलुस का समय से लेकर हमारे समय तक मनुष्य अपनी ही नाम कमाना चाहता है। उन झूठे चमत्कारों के द्वारा। यह चमत्कार कुछ भी नही केवल झूठ है, लोगों को पाप में फँसाने के लिए और ये सब मनुष्य की उस गन्दे विचारों से जो उसका आरम्भ से ही है मनुष्य अपनी उस विचारों के द्वारा इन गलत, नकली चमत्कार के द्वारा लोगों को अपनी जाल में फँसाता है। यह लोक शैतान के हाथ में पाप के हतियार के रूप में उपयोग में लाया जाते है। शैतान चाल से इन लोगों को अपनी झूठा चमत्कारों के लिए इस्तेमाल करता है। वह शुरू से झूठा है और धक्का देनेवाले झूठ का पिता है। प्रेरित पौलूस शैतान के बारे में लिखाता है "जिनमें तुम पहिले इस संसार की रीति और आकाश में शासन करने वाले अधिकारी अर्थात् उस आत्मा के अनुसार चलते थे जो अब भी आज्ञा न मानने वालों में क्रियाशील है। परमेश्वर हमें मसीह यीशु में उसके साथ उठाया और स्वर्गीय स्थानों में बैठाया। क्योंकि हम उसके हाथ की कारीगरी हैं, जो मसीह यीशु में उन भले कार्यों के लिए सुजे गए हैं जिन्हें परमेश्वर ने प्रारम्भ ही से तैयार किया कि हम उन्हें करें। इस कारण स्मरण करो कि तुम जो शरीरिक रीति से अन्यजाति हो और जो लोग शरीर में हाथ के किए हुए खतने से खतनावाले कहलाते हैं, वे तुम को खतना रहित कहते हैं।" इफिसियों 2:2, 6, 10-11, में और मसीह विरोधी के बारे में 2 थिस्सलुनीकियों 2:9-10 में। "उस अधर्मी का आना नाश होने वालों के लिए, शैतान की गतिविधि के अनुसार सम्पूर्ण सामर्थ, चिह्नों, झूठे आश्चर्यकर्मों और दुष्टता के हर धोके के साथ होगा, क्योंकि उन्होंने सत्य के प्रेम को ग्रहण नहीं किया कि उनका उद्धार हो।"

व्यक्ति गत रूप में :

आजकल कि झूठा व्यक्तिगत रूप में चमत्कार का आइए ध्यान करेंगे। अधिकतौर से उपयोग में आनेवाला पहला विषय है अन्य भाषा की वरदान; अन्य भाषा का अर्थ है कि एक व्यक्ति अपने को नही मालुम वाला भाषा आत्मा के द्वारा बोलता है। इस विषय को आदि तरीका से समझ ने के लिए आईए पेन्टेकष्ट दिन का अनुभव को उदाहरण कि तौर से देखेंगे। प्रेरितों के काम 2 अध्याय में हम पढ़ते हैं कि प्रेरितों ने जो जेरुसलेम में पेन्टेकष्ट का पर्व मनाने आए थे; वे आत्म में होकर अपनी को नही मालूम वाला भाषाओं में परमेश्वर का धन्यवाद और स्तुति करते थे। **"वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और जैसे आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ्य दी वे अन्य अन्य भाषाओं में बोलने लगे।"** प्रेरितों के काम 2 : 4. दुनिया के विभिन्न जाति और प्रान्त के लोग जो पर्व में आए थे वे पिरितो के द्वारा अद्‌भुत रीति से अपनी अपने भाषा में परमेश्वर का धन्यवाद और प्रशंसा करता हुआ सुने। इस अन्य भाषा का लक्षण यह कि यह बोलने वाला को मालूम नही होता है परन्तु दुनिया के अन्य लोगों द्वारा बोला जानेवाला भाषा होता है। अन्य भाषाओं के बारे में सर्व प्रथम पेन्टेकष्ट का दिन में ही जानकारी मिलता है। उसके वाद हम वप्तिस्मा देनेवाला यूहन्ना का चेले के द्वारा कर्णलियूस का घर में अन्य भाषा के बारे में देखते है।

सत्य और वचन के अनुसार अन्यभाषा अन्यलोग के द्वारा बोला जानावाला भाषा होना जरूरी है। कुरिन्थियों के कलीसियों में अन्य भाषा के बारे में विवाद और समझ की कमी था। इसलिए पौलुस ने यह कहा था कि अन्य भाषा का अर्थ करनेवाला भी होना चाहिए। **"यदि कोई अन्य भाषा में बोले तो दो या अधिक से अधिक तीन जन क्रम से बोलें, तथा एकव्यक्ति अनुवाद करें। परन्तु यदि अनुवादक न हो तो वह कलीसिया में चुप रहे, तथा अपने आप से और परमेश्वर से बोले।"** 1 कुरुन्थियों 14 : 27-28. कुछ लोग अन्य भाषा कहकर उसका अनुवाद भी वे खुद ही करते है, परन्तु अनुवाद के लिए दूसरा कोई होना

अच्छा होता है। प्रेरितों के समय में अन्य भाषा के द्वारा कोई रुकावट नही होता था जैसे आज-कल की कुछ कलीसियों में होता है। इसलिए पौलूस फिर से कहता है – "भाइयो, फइर क्या करना चाहिए? जब तुम एकत्रित होते हो तो प्रत्येक के मन में भजन या उपदेश या प्रकाशन या अन्य भाषा या अन्य भाषा का अनुवाद होता है। सब कुछ आत्मिक उन्नति के लिए होना चाहिए। क्योंकि परमेश्वर गड़बड़ी का नहीं परन्तु शान्ति का परमेश्वर है, जैसा कि पवित्र लोगों की सब कलीसियाओं में है।" 1 कुरिन्थियों 14 : 26, 33. दूसरा विषय यह है कि चंगाई के नाम से भी झूठा चमत्कार आजकल देखा जाता है। हम यह विश्वास करते है, समस्त डाक्टरों के द्वारा असम्भव बीमार को परमेश्वर अपनी अद्भुत सामर्थ के द्वारा चंगा कर सकता है। हम यह भी विश्वास करते है कि हमारे प्रार्थमाओं को सुनकर परमेश्वर चंगा करता है। यह वचन के अनुसार है। परन्तु हम बीमारियों का ऊपर हाथ रखने के द्वारा परमेश्वर चंगा करता है यह एक प्रश्नों चिन्ह कि वाद है। "चंगा हो जाओ" इस बात से बेहतर है कि हम उस व्यक्ति का चंगाई के लिए परमेश्वर से विनति करें। आज कौन हिम्मत से यह कह सकता है कि उसका परछाईयों जिस का ऊपर पड़े वह चेंगा हो जाएंगे? या उसका रूमाल के द्वारा चंगाई प्राप्त कि जा सकता है जैसे प्रेरितों के समय होता था।

तीसरा; दर्शन और सपन के नाम से आजकल बहुत सी झूठी चमत्कार का देखा जा सकता है। क्या कोई गुणिआ या जादुटना करनेवाला हमारे आराधन में आकर परमेश्वर की ओर से एक दर्शन या सपना का प्रकट कर सकेगा? बाईबल स्पष्ट रूप से बताती है कि हम दिव्य प्रकाशन के साथ कुछ जोड़ नही सकते।

पुराना नियम के झूठा सपन दर्शक के बारे में व्यवस्था विवरण का 13 अध्याय को अच्छी रूप से पढ़िए। आजकल कुछ लोक दुष्ट आत्माओं को भगाने का दावा करते हैं। लेकिन यह सही है हम यीशु मसीह का नाम से वचन की सामर्थ से उस दुष्ट आत्माओं को निकाल सकते है जो लोगों का अन्दर धुस कर

उनको परेशान करते है। हमारे साथ प्रार्थना का सामर्थ है जैसे बाईबल बताती है कि धर्मी जन की प्रार्थना से बहुत कुछ हो सकता है। "इसलिए तुम परस्पर अपने पापों को मान लो और एक दूसरे के लिए प्रार्थना करो, जिससे कि चंगाई प्राप्त कर सको। धर्मी जन की प्रभावशाली प्रार्थना से बहुत कुछ हो सकता है।" याकूब 5 : 16.

प्रश्नों :

अगर आजकल की कलीसिया में भी प्रेरितों के दिनों की चमत्कार को करनेवाला सामर्थी वरदाने है करके कहा जाता है तब कुछ ऐसा असम्भव प्रश्नों है जिसका उत्तर देना पड़ेगा। तब क्या कुछ ही वरदान है? क्यूं सब कुछ वरदान नही? कौन एक खतरनाक शाप को मरकुस 16 : 18 के अनुसार हाथ में उठा सकेगा? हम में से कौन है जो प्राण नाशक पदार्थ का पान करेगा और उसका कुछ हानि नही होगा? मरकुस 16 : 18 के अनुसार प्रेरितों कि काम के 28 : 3-6 में पढ़ते है कि प्रेरित पौलूस को विषमय साप काटा परन्तु उसका कुछ नुकसान नही हुआ। आजकल कौन है जिस को साप काटेगा और उसको कुछ नहीं होगा?

क्यों, यह चमत्कार का वपदानों कुछ कलीसियाओं में ही है? क्यों सब कलीसिलयाओं में नहीं? इस प्रकार अनेक प्रश्नों पूछा जा सकता है जिसका उत्तर किसी मनुष्य के पाश नहीं। हम वचन के अनुसार आत्माओं को परखे, क्योंकि समय बुरा है और शैतान बहुत होशियार है।

वास्तविक सामर्थ परमेश्वर का वचन में है।? हम गलत या झूठी चमत्कारों के द्वारा परमेश्वर से हमारे विश्वास को दूर करना नहीं चाहते हैं। हम इस प्रकार झूठी चमत्कारों से महान बनना और नाम कमाना नहीं चाहते हैं। शैतान का शक्ति और इस अन्तिम दिन में उसका झूठी चालों को हम अच्छी तरीका से पहचानते है। हम लुथरन लोक बाईबल का आराधना नहीं करते है परन्तु उस परमेश्वर का

आराधना करते जिसने हमें पवित्र बाईबल दिया। उसका वचन पवित्र और सामर्थी है। पवित्र सात्र परमेश्वर का प्रेरणा से रचा गया है। हम जब पवित्र आत्मा के द्वारा लिखा गया, बाईबल को प्रार्थमा के साथ और भय के साथ अध्ययन करते है तो पवित्र आत्मा हमें हर सच्चाई से हमारा आगवाई करता है। हम गलत आत्मा का रोक लगते है। परमेश्वर का वचन जीवित और सामर्थ है। वचन हमें जीने का सामर्थ देती है। वचन के साथ हम उस अननत् वचन को भी जानते हैं जो देहधारी होकर हमारे बीच जन्म हुआ, हमने उस पर विश्वास किया और उसने हमारा उद्धार किया।

हमारे प्रभु यीशु मसीह ने प्रतिज्ञा की है। तुम में आत्मा वास करेगा जो वचन के अनुसार तुममे काम करेगा। मेरा सारे शिक्षाओं को वह तुम्हारे स्मरण में लाएगा वह तुम्हें शिक्षा देगा और समस्त सत्य में तुम्हारा आगवाई करेगा।

समस्त महिमा परमेश्वर को ही मिले। "आमीन"